उच्च शिक्षा के गुणवत्ता वृद्धि में IQAC की भूमिका

डॉ. पांडुरंग मुंढे
लोकप्रशासन विभाग के प्रमुख
कै. व्यंकटराव देशमुख महाविद्यालय, बाभळगाव
ता.जि. लातूर-४१३५१२

सारांश (ABSTRACT) :

उच्च शिक्षा संस्थानों के गुणवत्ता वृद्धि के लिए NAAC, Banglore की राष्ट्रीय कार्य योजना के अनुसरण में, NAAC का प्रस्ताव है कि प्रत्येक मान्यता प्राप्त संस्थान 'आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल' (IQAC) की स्थापना करे। गुणवत्ता में सुधार के बाद से एक मान्यता प्राप्त गुणवत्ता निर्वाह उपाय, एक निरंतर प्रक्रिया है, IQAC एक संस्थान की प्रणाली का एक हिस्सा बन जाएगा और गुणवत्ता वृद्धि के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में काम करेगा। IQAC का मुख्य कार्य संस्थानों के प्रदर्शन में सचेत, सुसंगत और उत्प्रेरक सुधार के लिए एक प्रणाली विकसित करना है। IQAC संस्थानों के बाद के मान्यता चरण में एक महत्वपूर्ण और सार्थक योगदान देगा। मान्यता के बाद की अवधि के दौरान, IQAC अकादमिक उत्कृष्टता की दिशा में एक संस्थान के प्रयासों और उपायों को प्रसारित करेगा।

कीवर्ड (KEYWORDS) : IQAC, उच्च शिक्षा एवं गुणवत्ता।

परिचय (INTRODUCTION) :

निम्नलिखित पृष्ठों में दिए गए दिशानिर्देश आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (IQAC) के निर्माण और संचालन में संस्था को सुविधा प्रदान करता है। IQAC का काम गुणवत्ता बढ़ाने के आंतरिककरण और संस्थागतकरण की दिशा में पहला कदम है। इसकी सफलता अपनेपन और भागीदारी की भावना पर निर्भर करती है जो इसे संस्थान के सभी घटकों में शामिल कर सकती है।

यह अभी तक संस्था में एक और श्रेणीबद्ध संरचना या रिकॉर्ड रखने की यह एक सुगम और सहभागी स्वैच्छिक प्रणाली का अंग है। IQAC में कमियों को दूर करने और गुणवत्ता बढ़ाने की क्षमता है। उद्योगों में गुणवत्ता वाले वृत समान रेखाओं पर कार्य करते हैं।

संशोधन पद्धति (RESEARCH METHODOLOGY) :

इस संशोधन लेख के लिए द्वितीय स्त्रोतों के माध्यम से लिखित साहित्य सामुग्री इक्ठ्ठी करके उसका विश्लेषण किया है।

उद्देश्य (OBJECTIVES) :

1. IQAC क्लस्टर इंडिया का लक्ष्य भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों में संगठनों के भीतर सहयोग के माध्यम से सही ज्ञान, कौशल और गुणवत्ता उपकरण के साथ एक प्रशिक्षित और प्रदर्शन करने वाला IQAC बनाना है।
2. सबसे आसान उपलब्ध तकनीकी सहायता के साथ भारत में दूरस्थ संस्थानों को 24 X 7 ज्ञान सहायता प्रदान करना।

गृहीतकृत्ये (HYPOTHESIS) :

1. IQAC एक उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता वृद्धि करने के लिए बनाई गई संस्था है।
2. इस संस्था का कार्य निरंतर रूपसे किया जाता है।

रूपरेखा (FRAMEWORK) :

क्लस्टर में महाराष्ट्र के ग्यारह विश्वविद्यालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के साथ 220 कॉलेज हैं। ये कॉलेज महाराष्ट्र के बीस से अधिक जिलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। हमारे पास ऐसे संरक्षक भी हैं जो संबंधित क्षेत्रों में बहुत वरिष्ठ अधिकारी हैं।

IQAC की भूमिका (ROLE OF IQAC) :

सुधार के लिए एक उपकरण के रूप में ज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ शैक्षिक विकास की मुख्यधारा में दूरस्थ कॉलेज लाने के लिए। एक स्वस्थ कार्य संस्कृति बनाने के लिए IQAC की प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता पैदा करना। IQAC की प्रक्रियाओं और प्रक्रियाओं का मानकीकरण करने के लिए गुणवत्ता आश्वासन, गुणवत्ता नियंत्रण और गुणवत्ता नियोजन की विभिन्न गतिविधियों को अलग करना। गुणवत्ता उपकरणों के आवेदन के लिए एक प्रशिक्षित IQAC बनाना। कार्यस्थल पर निरंतर सुधार के लिए प्रक्रियाओं को नियंत्रित और मॉनिटर करना। प्रशिक्षित बलों का एक नेटवर्क बनाकर IQAC समन्वयकों को पड़ोस सहायता प्रदान करना। उन कॉलेजों के भीतर दोषपूर्ण प्रतियोगिता की विचार प्रक्रिया को बदलने के लिए जो संगठन के भीतर और छात्रों में जटिलता पैदा करते हैं। "NAAC" के प्रचार को कम करने और एक विचार प्रक्रिया बनाने के लिए जहां एनएएसी संगठनात्मक कार्य संस्कृति के लिए आवश्यक एक नियमित मानक मान्यता प्रक्रिया है।

कार्य (FUNCTIONS) :IQAC से अपेक्षित कुछ कार्य हैं:

- संस्था की विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक गतिविधियों के लिए गुणवत्ता गुणवत्ता मापदंडों का विकास और अनुप्रयोग करना।
- उच्च शिक्षा के विभिन्न गुणवत्ता मानकों पर जानकारी का प्रसार करना।
- कार्यशालाओं का संगठन, गुणवत्ता से संबंधित विषयों पर संगोष्ठी, और गुणवत्ता हलकों का प्रचार करना।
- गुणवत्ता सुधार के लिए अग्रणी विभिन्न कार्यक्रमों / गतिविधियों का दस्तावेजीकरण करना।
- गुणवत्ता से संबंधित गतिविधियों के लिए संस्था की नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करना।
- गुणवत्ता मानकों के आधार पर NAAC को प्रस्तुत की जाने वाली वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट तैयार करना।

सांस्कृतिक, क्षेत्रीय, भाषा, आर्थिक, स्थितिजन्य, स्थितिगत ग्रामीण या किसी अन्य विभाजन के बावजूद एक दूसरे के साथ निरंतर संचार द्वारा सहयोग। व्हाट्सएप समूह / टेलीग्राम समूह और Google समूह दूरी पर संवाद करने और विवरण साझा करने में मदद करते हैं। यह एक महत्त्वपूर्ण समूह है जो IQAC, NAAC और उच्च शिक्षा के क्षेत्रों जैसे मुद्दों पर चर्चा करने के लिए समर्पित है।

विभिन्न प्रकार के आवश्यकता-आधारित IQAC कार्यक्रमों का संचालन करना। IQAC समन्वयकों और IQAC कर्मियों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (FDP), प्रिंसिपलों के लिए विशेष कार्यशालाएं। कॉलेजों के लिए परिचयात्मक और अवधारणा कार्यशालाएं। इस विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार को बढ़ावा देने के लिए NAAC संबंधित आकलन के सबसे अद्यतन और

विचारशील पहलुओं के साथ। विश्वविद्यालयों और शिक्षण संकाय को बढ़ावा देने के लिए कम वजन वाले क्षेत्रों पर सोचने के लिए जो अच्छे वजन वाले हैं और कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में बेहतर तंत्र लाते हैं। कॉलेजों में विशिष्ट कार्यसमूह के लिए कार्यशालाओं का संचालन करना। उदा- लाइब्रेरियन, परीक्षा सीईओ, खेल, प्लेसमेंट अधिकारी आदि।

आसपास के क्षेत्रों से संसाधनों को साझा करने के लिए कॉलेजों को बढ़ावा देना। मानव प्रतिभा, छात्रों, शिक्षण संकाय, प्रयोगशालाओं, भौतिक अवसंरचना को साझा करने और इस तरह गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करने के लिए समझौता ज्ञापन

इन-हाउस कार्यक्रम:

ये गुणवत्ता, NAAC मानदंड और IQAC के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए बहुत बड़ी संख्या में कॉलेजों के लिए आयोजित किए गए हैं।

- NAAC को भेजे जाने से पहले SSR का विश्लेषण करना।
- पूर्व NAAC यात्रा मार्गदर्शन।
- एक उद्देश्य के साथ निरंतर प्रशिक्षण करना।
- प्रधानाध्यापकों और प्रबंधन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजन करना ।
- महाराष्ट्र के कॉलेजों के लिए बैठक और चर्चा आधारित सत्र का आयोजन करना।

संघों (ASSOCIATIONS):

RUSA महाराष्ट्र: IQAC कलस्टर इंडिया "RUSA महाराष्ट्र का प्रशिक्षण भागीदार" है। NAAC प्रशिक्षकों को बनाने के लिए चार ट्रेन, ट्रेनर कार्यक्रम मुंबई और पुणे में आयोजित किए गए हैं। यह एक तीन-चरण प्रशिक्षण है जिसके बाद प्रशिक्षक अन्य कॉलेजों में अपना प्रशिक्षण सत्र आयोजित कर सकता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) :

UGC ने मॉडर्न कॉलेज गणेशखिंड के तत्वावधान में, वेस्टर्न डिवीजन में बेस्ट प्रैक्टिस के लिए एक संगोष्ठी और लॉन्च ऑफ पारामर्स स्कीम के लिए IQAC क्लस्टर इंडिया के साथ औपचारिक रूप से भागीदारी की है। NAAC: "बेस्ट प्रैक्टिसेस पर एक सेमिनार के लिए विशेष फंडिंग" के साथ NAAC, IQAC क्लस्टर इंडिया को महाराष्ट्र में प्रत्यायन प्रक्रियाओं को बढ़ावा देने के लिए एक मशाल की तरह मानता है।

कॉलेजों के साथ सहयोग (Association with Colleges)

1. पूरे महाराष्ट्र, नई दिल्ली, बीदर (कर्नाटक) और सिलवासा के विभिन्न कॉलेजों में NAAC कार्यप्रणाली पर 100 से अधिक दो / तीन दिनों में आयोजित किया गया।
2. विभिन्न NAAC संबंधित प्रक्रियाओं में कॉलेजों को प्रक्रियात्मक मदद के लिए निरंतर 24X 7 टेलिफोनिक, मेल और व्हाट्सएप / टेलीग्राम ऐप समर्थन किया है।
3. कार्यशालाओं के साथ-साथ गुणवत्ता साहित्य सृजन और नियमावली का स्वतंत्र प्रसार किया है।
4. शैक्षणिक और प्रशासनिक ऑडिट जो एनएएसी अनुपालन हैं जो दाखिल करने और पूर्ण मार्गदर्शन की पद्धति के साथ प्रदान किए जाते हैं। इसे कई विश्वविद्यालयों ने स्वीकार किया है।
5. महाराष्ट्र में 50 से अधिक राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय सेमिनार / कार्यशालाएं और नई दिल्ली में चार कार्यशालाएं आयोजित की गई और एक सिलवासा और बीदर कर्नाटक में

राष्ट्रीय स्तर पर कई राज्यों के लोगों की भागीदारी के साथ आयोजित की गई।

भविष्य की योजना (FUTURE PLAN):

1. वर्तमान में केवल 1000 + कॉलेजों को छुआ है। भविष्य में भारत के सभी 40000 कॉलेजों और 8000 विश्वविद्यालयों तक पहुँचना है।
2. स्थानीय ज्ञान-आधारित नेतृत्व तैयार करने और अच्छी नेटवर्किंग के लिए क्लस्टर द्वारा एक राष्ट्रीय बोर्ड का निर्माण करना।
3. महाराष्ट्र राज्य में उच्च शिक्षा गुणवत्ता गतिविधि की गहनता बढ़ाना।
4. पूरे भारत में गुणवत्ता गतिविधियों का प्रसार करना।
5. अन्य राज्यों और महाराष्ट्र में नए समूहों का गठन करना।
6. ई-बुलेटिन संचार और घटना को बेहतर रखने के लिए प्रयत्न करना।
7. गुणवत्ता का निर्माण मानक के विचार के रूप में करने के बजाय यह एक शब्द है।

उपलब्धियों (ACHIEVEMENTS):

समूहों का गठन: 220 कॉलेजों के नौ समूहों का गठन किया गया है और अच्छी तरह से काम कर रहे हैं। दो व्हाट्सएप / टेलीग्राम और Google समूहों की विधि द्वारा सदस्यों और गैर-सदस्य कॉलेजों के बीच निरंतर संचार किया है। भारत से 15 राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले टेलीग्राम समूह पर 1200 + सदस्य और लगभग 1000 कॉलेज मौजूद हैं। IQAC और NAAC पद्धति पर छह एक सप्ताह FDP का संचालन किया। इस परियोजना के तहत अब तक छह सौ IQAC समन्वयक और IQAC कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया है। विशेषज्ञता और प्रशिक्षण विशेषज्ञ बनाना। सर्वोत्तम संसाधन कर्मियों के साथ टाई-अप बनाना और कॉलेजों को विकसित करने में मदद करने के लिए तैयार IQAC समन्वयकों का एक पूल बनाना।

प्रोजेक्ट 1000 - एक्यूएआर संबंधित कार्यशालाएं: वर्तमान में 23 जुलाई तक नई AQAR के दाखिल होने पर चार कार्यशालाएं S.P.N. दोशी कॉलेज, घाटकोपर, श्रॉफ कॉलेज कांदिवली, वालिया कॉलेज, अंधेरी, और एच.वी.देसाई कॉलेज, पुणे। 400+ IQAC कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है। अगले चार 30 जुलाई 2019 को वेज कॉलेज मुलुंड में और 9 अगस्त 2019 को एनकेटीटी ठाणे में, 22 अगस्त को जवाहरलाल नेहरू कॉलेज औरंगाबाद, और 27 अगस्त 2019 को एचएन कॉलेज सोलापुर में 1000 IQAC कर्मियों को इस परियोजना के तहत प्रशिक्षित किया जाएगा। अक्टूबर का अंत।

निष्कर्ष (CONCLUSIONS) :

1. किसी शैक्षणिक संस्थान में IQAC एक महत्वपूर्ण प्रशासनिक निकाय है।
2. यह शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन में गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में योगदान देता है।
3. यह विभिन्न शैक्षणिक / शैक्षिक गतिविधियों को संचालित करने में सक्षम निकाय है।
4. IQAC की शिक्षण, सीखने और मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया में गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने में एक बड़ी भूमिका और जिम्मेदारी है।
5. संस्था के हितधारकों के बीच समन्वय है, लेकिन इस तरह के समन्वय को बढ़ाने के लिए अभी भी अधिक ध्यान और चिंता की आवश्यकता है।

संदर्भ (REFERENCE) :

1) https://iqacclusterindia.com/about-us/
2) http://www.advancedjournal.com
3) http://oaji.net/pdf.html
4) https://www.naac.gov.in
5) https://www.google.com/